श्री शरद अनंतराव जोशी (**महाराष्ट्र**) : सर ।

श्री उपसभापति : बस अब हो गया ।

श्री शरद अनंतराव जोशी : सर, एक बात , जो बड़ी महत्वपूर्ण हैं । एक चैनल पर बार – बार यह कहा गया कि उसके बार 24 घंटे के अंदर तबादला हुआ । इसके माणिक राव गावित जी के चरित्र पर बहुत बड़ा आघात हुआ हैं । क्या इसके बारे में होम मिनिस्टर साहब कुछ स्पष्टीकरण देंगे? क्योंकि यह 23 मई को संभाषण हुआ और 24 मई के पहले वह जो जेलर था , उसका तबादला हुआ। क्या यह सच हैं? **...(व्यवधान) ...**

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND MINISTER OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI SHARAD PAWAR): Transfer of a jailor is the right of the State Government. *...(Interruptions)...* How can he have a *locus standi? ...(Interruptions)...* He has no authority. *...(Interruptions)...*

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SHIVRAJ V. PATIL): It is in the State List. *...(Interruptions)...*

श्री उपसभापति : अच्छा, अब प्रियरंजन दास मुंशी जी एक स्टेटमेंट करेंगे । **...(व्यवधान) ...**लंच आवर डिसपेंस हो गया हैं ।

SHRI SHARAD PAWAR: His name is mentioned last in the list. *...(Interruptions)...*

श्री प्रियरंजन दास मुंशी : सर, मैं सदन की इजाजत इसलिए मांग रहा हूँ कि इंडोनोशिया का एक बड़ा डेलीगेशन आया है, जिन्होंने आज ही शाम को चले जाना हैं । उस डेलीगेशन ने हमको मिलने के लिए टाइम लिया हैं तीन बजे के बाद, तो उस डेलीगेशन को मिलने के लिए हमको एक प्रोग्राम को एडजस्ट करना पड़ा **....**

श्री उपसभापति : ठीक है, आप बोलिए ।

STATEMENT BY MINISTER

Launching of Doordarshan's Urdu channel by Prasar Bharati from 15th August, 2006

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (**श्री प्रियरंजन दास मुंशी**) : सर, उर्दू हिन्दुस्तान की एक अहम ज़बान हैं । 52 मिलियन आवाम ने इसे मादरी ज़बान करार दिया हैं । उर्दू बोलने और समझने वालों की असल तादाद इससे भी कहीं ज्यादा हैं । उर्दू वालों की आबादी पूरे मुल्क में फैली हुई हैं – जुनुब में कर्नाटक से आंध्र तक ,शुमाल में उत्तरांचल से लद्दाख तक , मगरिब में गुजरात और राजस्थान तक, पूरब में झारखंड और बिहार तक । उर्दू

जम्मू –कश्मीर की सरकारी ज़बान हैं । दिल्ली ,बिहार और उत्तर प्रदेश जैसी रियासतों में यह दूसरी सरकारी ज़बान की हैसियत रखती हैं ।

उर्दू की अदबी और सक़ाफती रिवायतें कई सदियों पुरानी हैं ।शेर , तंज और सूफी लिट्रेचर समेत उर्दू अदब की मुख्तालिफ असनाफ ने हिन्दुस्तान की आदबी और सक़ाफती तारीख को काफी मालामाल किया है। हिन्दुस्तान में सिनेमा और नशरयात के आगाज़ के साथ उर्दू फिल्म देखने वालों, फिल्मी नाक़दीन और रेडियों के सामईन में बहुत मक़बूल हो गई हैं ।

दूरदर्शन अपने बहुत से चैनलों से उर्दू प्रोग्राम नशर करता आया हैं , लेकिन ऐसा कोई चैनल नहीं हैं । जो कि कौमी सतह पर उर्दू ज़बान और इसकी पुरइमारत सकाफत के लिए महसूस हो । इस वक्त जो उर्दू प्रोग्राम और उर्दू खबरें नशर होती हैं, वे ही उर्दू बोलने वाली आबादी की मालूमाती , तालीमी और सकाफती जरूरतों के लिए नाकाफी हैं ।

इस तरह के किसी अकवाम की शहीद जरूरत को महसूस करते हूए और इस सिलसिले में रायआम्मा को ध्यान में रखते हुए मेरे पेशेरू डा0 एस0 जयपाल रेड्डी जी ने 23 अगस्त , 2004 को ऐवान में इसका यकीन दिलाया था कि दूरदर्शन का उर्दू चैनल शुरू किया जाएगा । मुझे इस ऐवान में इस बात का ऐलान करते हुए खुशी हो रही हैं कि इफरादी कूव्वत और दीगर वसाइल की कमी के बावजूद प्रसार भारती 15 अगस्त , 2006 से डीडी उर्दू चैनल शुरू करके इस यकीन – दहानी को अमली जामा पहना रही हैं ।

यह न सिर्फ प्रसार भारती की तारीख में एक संग –ए-मील की हैसियत रखता है, बल्कि मजमूई तौर पर हिन्दुस्तान के अबलाग़ी मंज़रनामें में एक जहत का इजाफा हैं । डी0डी0 उर्दू चैनल का इफ्तिताह इज्ज़त –मआब वज़ीर –ए-आज़म डा0 मनमोहन सिंह कर रहे हैं । शुरू में रोज़ाना 7 घंटे का ट्रांसमीशन होगा । बाद में इसकी तोसी करके इसे रात – दिन कौम की खिदमत में रखा जाएगा । इस मकसद के लिए सॉफ्टवेयर बनाने की तैयारियां मुक्तलिफ मराहिल में हैं ।

फिलहाल उर्दू चैनल सी0 पी0सी0, देहली से चलाया जाएगा , चूंकि अपालिंकिंग की सहूलियत वहीं पर है, मुनासिब वक्त पर इसे आकाशवाणी भवन मुन्तकिल कर दिया जाएगा । इस बीच अपर्लिक इनसैट -3 ए के ट्रांसपोंडर से होगा । मुख्तकबिल करीब में डी0डी0 की इनसैट -4 ए पर जगह मिल जाएगी । उर्दू चैनल को इसी नए इनसैट पर मुन्ताकिल कर दिया जाएगा । दूरदर्शन को डी0टी0एच0 सर्विस , डी0डी0 डायरेक्ट + समूह का 50 से 100 चैनलों तक तोसी के साथ एक स्लॉट डी0डी0 उर्दू चैनल को अलॉट कर दिया जाएगा ।

डी 0डी0 उर्दू को एक हेरिटेज चैनल के तौर पर तशकील दिया गया है, जिसकी कलहम सूरत तफरीह , मालूमात – ए – अम्मा, तमद्दुन और जरूरी इतलाआत पर मुश्तमिल होगी । ट्रांसमिशन के आग़ाज़ के आधे घंटे का न्यूज़ मैग्जीन होगा । इसके बाद डी0डी0 मुम्बई से तैयारशुदा एक घंटे का प्रोग्राम नशर होगा । हमें इसका पूरा यकीन है कि इस चैनल का तमाम तबकों के लोग देखेंगे , लोग एक दूसरे के करीब आएंगे, असल कौमी धारे में शमिल होंगे, उर्दू के मतवालों की लिसानी उमंगों को एक पहचान मिलेगी, इनको एक इज़हार का वसीला मिलेगा ।

हमें यकीन है कि इस चैनल के वजूद से सॉफ्टवेअर की बनावट में दरकार आने वाली एजेंसियों की जरूरत रोज़गार की फराहमी के मसले को काफी हद तक हल करने में मददगार साबित होगी यू0पी0ए0 सरकार का दिया हुआ वचन पूरा होगा ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Bagrodia, do you want to seek clarifications?

SHRI SANTOSH BAGRODIA (Rajasthan) : Sir, I congratulate the hon. Minister who has brought this new channel for the country though it is belated but finally he has brought it. So, we are all very happy about it.

श्रीमती सुषमा स्वराज (मध्य प्रदेश) **:** उर्दू में दीजिए बधाई, अंग्रेजी में बधाई क्यों दे रहे हैं।

श्री संतोष बागड़ोदिया : आप तो तमिल में भी बोल लेंगी, आप तो कन्नड़ में भी बोल लेंगी, आप कई भाषाओं में बोलती हैं, लेकिन हम उतनी भाषाओं में नहीं बोल सकते।

Sir, I would like to know from the hon. Minister how fast he would bring this 24 hour channel. Sir, he has not given the time-frame. There should be a time frame for that. Another thing is, he has mentioned that उर्दू चैनल की शुरूआत करके प्रसार भारती ने उस आक्ष्वासन की पूर्ति के लिए एक छोटी सी शुरूआत की हैं। This is not a छोटी सी शुरूआत , it is a real good thing which has been done. But, only half-an-hour news is not sufficient. This time is very little. At least, half-an-hour in the morning and one hour in the evening and something like that can be done because उर्दू समझने वाले जो लोग हैं, उन लोगों को भी हिन्दुस्तान की पूरी न्यूज मिलनी चाहिए।

कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (**श्री सुरेश पचौरी**) : पूरा सदन यू0पी0ए0 की जानिब से हमारे इज्जत मुआव मुंशी जी की रहनुमाई मे यह इतना काबिले तारीफ कदम उठाया गया हैं, उसके लिए सब मुबारकबाद दे रहे हैं , सब शरीफ हो रहे हैं। तो मैं सोचता हूं कि इसमें पूरे सदन की रायशुमारी लेकर इसके लिए सरकार को मुबारकबाद देनी चाहिए।

श्री उपसभापति : वे एक शेर बोलेंगे।

श्री उदय प्रताप सिंह (उत्तर प्रदेश) **:** महोदय, मैं पहले तो मंत्री जी को इस बात के लिए बधाई देना चाहता हूं कि और एक बात कहना चाहता हूं कि इसमें जरूरत इस बात की थी हिन्दी और उर्दू को एक दूसरे के नजदीक लाया जा रहा हैं। हिन्दुस्तान के बहुत बड़े शायर अकबर इलाहाबादी का एक शेर हैं **:**

" कि हिन्दी और उर्दू में फर्क है इतना ,
वे ख्वाब देखते हैं, हम देखते हैं सपना।"

सिर्फ ख्वाब और सपना के अलावा कोई फर्क नहीं हैं। इसलिए इस चैनल के द्वारा जो बात मै समझता हूं एक बहुत बड़ा काम होगा कि हिन्दी और उर्दू एक दूसरे के बहुत नजदीक आएंगी और वैसे उनमें बहुत कम अतंर है, यह बात हम जानते हैं। पुनः एक बार मैं आपको बधाई देता हूं और इसलिए मैंने उर्दू बोलने की कोशिश नहीं कि, हालांकि मेरी तालीम की इब्दता उर्दू से ही हुई थी।

श्री सीताराम येचुरी (पश्चिम बंगाल) **:** महोदय, मैं समर्थन करना चाहता हूं।

श्री उपसभापति : समर्थन तो पूरा हाउस कर रहा हैं।

श्री सीताराम येचुरी : सर, हमारी पार्टी की तरफ से देर आई लेकिन दुरूस्त आई यह बात और हम यह समझते हैं कि यह जरूरी है कि सर, इसलिए बोल रहा हूं कि मेरी तालीम हुई थी हैदराबाद में और हैदराबाद में तालीम होने की वजह से **...(व्यवधान) ...**

श्री सुरेश पचौरी : ताब्बुल करिए समर्थन नहीं।

श्री सीताराम येचुरी : यह एक बहुत अहम बात हैं, स्टेटमेट के अंदर ऐली तो होती नहीं है, सिर्फ मैं यही कहना चाहूंगा कि आप यह भी जोड़ दीजिए कि आज हिन्दी फिल्मों के किसी भी गाने में बिना उर्दू लफ्ज के गाना बनता ही नहीं है। तो इसलिए यह जरूरी है और यह सरकार अच्छा कदम उठा रही है, इसकी पूरी सहमति हैं।

प्रो .राम देव भंडारी (बिहार) **:** उपसभापति जी , यह एक ऐतिहासिक कदम हैं और मैं अपनी पार्टी की ओर से माननीय मंत्री जी को बधाई देता हूं। बिहार में उर्दू दूसरी भाषा हैं। उर्दू को बडा सम्मान दिया है यह पहले मिलना चाहिए था। इन्होंने कहा है कि 52 मिलियन लोगों की जुबान उर्दू हैं ।देर –आये –दुरूस्त-आये ,यह एक ऐतिहासिक कदम हैं। मैं अपनी पार्टी की ओर से पुनः बधाई देता हूं।

श्री अनवर अली (बिहार) **:** महोदय, मैं जे0डी0यू0 की तरफ से मंत्री जी को कहना चाहता हूं कि वे मुबारकबाद के मुस्तैद हैं यह उर्दू का चैनल शुरू करके।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, we take up the further discussion on the Central Silk Board (Amendment) Bill, 2005.

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Sir, has the lunch hour been suspended?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, the lunch hour has been suspended because there is a function in the evening.

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Sir, let the Minister accept the congratulations.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He has already replied.

SHRI SANTOSH BAGRODIA: But let him accept the congratulations. मंत्री जी ,आप एक्सेप्ट तो करिए।

श्री प्रियरजंन दास मुंशी : महोदय ,मुझे इस बारे में आपने समर्थन दिया, बधाई दी। मैं इस चैनल को इस ढंग से बढ़ाऊंगा कि पाकिस्तान के लोग हमें खत लिखें कि मुझे हिन्दुस्तान के उर्दू चैनल के कैसट भेजों।

SHRI JANARDHANA POOJARY (Karnataka) : What about Special Mentions?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The Special Mentions will be taken up after the legislative business. Now, Shri Acharya.

THE CENTRAL SILK BOARD (AMENDMENT) BILL, 2005 - *Contd.*

श्री सूर्यकान्तभाई आचार्य (गुजरात) **:** माननीय उपसभापति महोदय, सिल्क इण्डस्ट्रीज के बारे में अपनी सरकार ने 1948 में ही सेट्रल सिल्क बोर्ड का कानून बनाया था । उनका मतलब यह नहीं कि हमारा देश सिल्क के बारे में पहली बार 1948 में जागृत हुआ । सिल्क की हिस्ट्री अपने देश में गौरवशाली हैं । सिल्क का उपयोग, जब अंग्रेज इस देश में आए ,इससे पहले से चलता था । इतना ही नहीं ढाका की मलमल दुनिया भर में मशहूर थी । अंग्रेजों ने यहां आकर अपनी इस इंडस्ट्री को तोड़ने के लिए जो कार्यवाही की, वह आति निंदनीय हैं । उन्होंने सिल्क के जो कारीगर थे, उनके हाथ तोड़ दिए सारा सिल्क उद्योग बिल्कुल नष्ट-भ्रष्ट हो गया । आजादी आई और फिर उसी समय से, फिर से हमने सिल्व के बारे में सिल्क इंडस्ट्रीज़ के बारे में सोचना शुरू किया । यह बहुत अच्छी बात थी । सिल्क इंडस्ट्री में चाइना, जापान हमारे कम्पिटेटर हैं और थे । यह एक ऐसी इंडस्ट्री है जिसमें हजारों लोगों को काम मिलने की जबरदस्त क्षमता हैं । सिल्क इंडस्ट्री के बारे में, मैं कुछ बताना चाहूंगा कि इसकी शुरूआत कल्टिवेशन से होती हैं । कल्टिवेशन यानी कई पेड़ ऐसे हैं , जिनको हमें बोना पड़ेगा , प्लांटेशन करना पड़ेगा और उन प्लांटेशन से ही आगे सिल्क इंडस्ट्री बन सकेगी । सिल्क में तीन –चार पांच प्रकार के पेड़ बोये जाते हैं- एक मलबरी है, एक टसर हैं प्लांटेशन के लिए जमीन चहिए , जमीन अनुकूल चाहिए, उनमें प्लांटेशन करना चाहिए और प्लांटेशन करने के बाद, उनके जो पते हैं, वे सिल्क वर्म को खाने के लिए दिए जाते हैं । उन पत्तों को खाने से सिल्क वर्म बड़ा होता हैं । उसके बाद जो सिल्क वर्म है, जिसको हम लार कहते हैं , उसको निकालकर के अपने आजू –बाजू में रिले देते हैं । थोड़े दिन के बाद सिल्क वर्म के ऊपर का जो धागा बना हैं, उसको निकाल कर के उसका रिलिंग किया जाता हैं और उसके बाद जो सिल्क वर्म है, वह उसमें से बाहर निकल जाता हैं । थोड़े ही समय में, जो सिल्क वार्म हैं, उसका फीमेल सिल्क वर्म के साथ समागम होता हैं, समागम होने के बाद जो फीमेल सिल्क वर्म हैं , वह गर्भवती है और सिल्क वार्म जो मेल है, वह उसी वक्त मर जाता हैं । उसके बाद जब फीमेल जिंदा रहती हैं, वह अंडा देती हैं, और उसी वक्त वह फीमेल भी मर जाती हैं । यह नई टेक्नीक हैं । पहले ऐसे सिल्क वर्म को गर्म जल में, पानी में डुबा देते थे, सिल्क वर्म मर जाता था और फिर यह जो रहता था , उसमें से रेशम का धागा बनता था । हमारे देश में आज भी अहिंसा के प्रति लोगों के मन में मान है, सम्मान हैं । इसलिए कई लोग सिल्क इंडस्ट्री में इसलिए नहीं जाते थे क्योंकि पहले वार्म्स को गर्म पानी में डाल करके मार डालना पड़ता था । किन्तु अब ऐसी तकनीक आ गयी है जिसमें सिल्क वॉर्म जिंदा रहता है, उसको मारने की जरूरत नहीं पड़ती । इसलिए कई नए लोग भी इस इंडस्ट्री में आ रहे हैं , आने वाले हैं । पहले फीमेल वॉर्म भी अंडा देने के बाद मर जाती थी । अंडे मे से निकलने के बाद वॉर्म बहुत छोटी अवस्था में होता हैं । इन उन वॉर्म्स को, जो तीन चार तरह की प्लांटेशंस हैं, जिसमें mulberry हैं, tusser हैं, eri है, उनके पान खिला दिए जाते हैं । वह पान